



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



Cadaver Organ Donor

Lt. Rekhaben Kishorbhai Rana

Donated His: Lungs, Kidney, Liver & Corneas

Date:- 16/11/2023

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

महादान • कीम के राणा परिवार ने अंगदान के महत्व को समझा, रेखाखेन के फेफड़े, लीवर, किडनी और आखें दान की

कीम की महिला के अंगदान से छह लोगों को मिला नया जीवन

• 37 वर्षीय महिला के निए फेफड़ों को समय पर अहमदाबाद तक पहुंचाया

सूचना प्रिपारेटर: सुना

सूत में एक बार फिर अंगदान किया गया है। ब्रेनडेड रेस्क्यूवेन के अंगदान से छह लोगों को नया जीवन मिला है। अंगदान में फेफड़े, लीवर, किडनी और आखें दान की गई हैं।

अहमदाबाद में गल्य में सूत पहले नेश्च पर है। गल्य परिवार ने रेस्क्यूवेन गल्य एक विस्कट फैक्ट्री में नीकों करते हैं। 7 नवंबर को इन का दौरा पहुंचा और वह बैंकों 10 नवंबर को सेल्सी अस्पताल में हो गई। उन्हें परम के एक निवेदित विस्कट फैक्ट्री में भर्ती कराया गया।



हालांकि केलिए क्रीड़िनोटोंवाले थे। 15 नवंबर को न्यूज़र्मान डॉक्टर नीला चिकित्सा, इंटीवेलन डॉक्टर डेलन मेहता, चिकित्सालय डॉक्टर परमेश्वरन ने रेखाखेन को बेंग डेड घोषित कर दिया।

सूचना मिलने पर डोनेट लाइफ संस्था की टीम अस्पताल पहुंची और रेस्क्यूवेन के बीच चिकित्सा भाई, डेले नामिन, बेंटी जितिला और परिवार के अन्य सदस्यों की अलगाव के साथ और इनकी परिक्रिया के बारे में समझाया। इसके बाद चिकित्सा की अपार्के सदस्यों के बाद रेस्क्यूवेन के अंगदान के लिए तैयार हो गए।

सूत पुलिस ने शहर में हवाई अड्डे तक बनाया ग्रीन कॉरिडोर फेफड़ों को 3.7 मील की पहिला में ट्रांसप्लांट किया गया। वही लीवर 43 वर्षीय लीवर में। दोनों किडनी भी जहरतांद मरीजों में सफलतापूर्वक ट्रांसप्लांट की गई। ब्रेनडेड की समय पर अहमदाबाद पहुंचने के लिए सूत मिली पुलिस द्वारा कार्य समूल रूपी अस्पताल में सूत लावां और उस एक दीन कॉरिडोर बनाया गया। पैरेलाइन है फिर बदल, फेफड़, लीवर, लीटी और लीवर और किडनी जैसे महत्वपूर्ण अंगों को समय पर दीन के लिए लाते साथ में पहुंचने के लिए सूत लात पुलिस द्वारा अब तक 106 दीन कॉरिडोर का नियंत्रण किया गया है।

सूत से फेफड़े दान की 21वीं घटना

किम की ब्रेनडेड महिला के अंगदान से छह को मिला नवजीवन



पत्रिका
ह्यूमन
एगल

सूत @ पत्रिका, किम निवासी एक महिला को मिर्गी का दोहरा आने पर प्राथमिक उपचार के बाद सूत के अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वहां ब्रेनडेड घोषित करने के बाद परिजनों ने अंगदान का निर्णय किया। सूत से फेफड़े दान की 21वीं घटना है। महिला के अंगदान से छह

जनों को नया जीवन मिला है। किम में हीरा-पन्ना सोसायटी निवासी रेखा किशोर राणा (47) विस्कट की फैक्ट्री में पैकिंग का कार्य करती थी। 7 नवंबर को सुबह 3.30 बजे मिर्गी आने पर परिजन उन्हें सूत ले आए। उनके सीटी रैकेन रिपोर्ट में ब्रेन हैमोरेज की पुष्टि हुई। चिकित्सकों ने 15 नवंबर को उनकी ब्रेनडेड घोषित कर दिया। सूचना पर डोनेट लाइफ की टीम पहुंची और परिजनों को अंगदान के बारे में समझाया। परिवार से सहमति मिलने के बाद

एसओटीटीओ से सम्पर्क किया गया। एसओटीटीओ ने फेफड़े अहमदाबाद के बीमस अस्पताल और लीवर व किडनी अहमदाबाद के आइकेडीआरसी को दी गई। दान में मिले फेफड़े साबरकंटा धनसुरा निवासी 37 वर्षीय महिला में

ट्रांसप्लांट किए गए। जबकि लीवर अहमदाबाद निवासी 43 वर्षीय लीवर और दोनों किडनी दो जहरतांद मरीजों में ट्रांसप्लांट की गई। वहीं, चक्षुओं का दान लोक हाई चक्षुवैकंक के डॉ. प्रफुल्ल शिरोया ने स्वीकार किया।



"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लीवर, हृत्यान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

ब्रेन डे� महिला का अंगदान, छह लोगों को दी नई जिंदगी

फेफड़े हवाई मार्ग से अहमदाबाद भेजे गए, ब्रेनडे� महिला को श्रद्धांजलि देते परिवार के सदस्य

सूरत। कपड़ा और हीरा नगरी के नाम से मशहूर सूरत अब देश में अंग दाता शहर के रूप में मशहूर हो रहा है। सूरत से एक और अंगदान डोनेट लाइफ संस्था द्वारा बीएपीएस प्रमुख स्वामी अस्पताल से किया गया है। माहावंशी समुदाय की रेखाबेन किशोरभाई राणा उम्र 47 वर्ष के परिवार ने डोनेट लाइफ के माध्यम से ब्रेनडे� रेखाबेन के फेफड़े, लीवर, किंडनी और आंखें दान कीं और 6 लोगों को नई जिंदगीदेकर मानवता की खुशबू फैलाने के साथ समाज को एक नई दिशा दिखाई है। सावरकांट के धनसुरा निवासी 37 वर्षीय महिला का अहमदाबाद के सिम्स अस्पताल में फेफड़े का प्रत्यारोपण किया गया है। फेफड़ों को समय पर अहमदाबाद पहुंचाने के लिए सूरत सिटी पुलिस द्वारा बीएपीएस प्रमुख स्वामी अस्पताल से सूरत हवाई अड्डे तक एक ग्रीन कॉरिडोर मार्ग का निर्माण किया गया था।

239, हीरापत्रा सोसायटी विभाग 1कीम निवासी 47 साल की रेखाबेन कीम में एक चिकित्सक फैक्ट्री में पैकिंग वर्कर के रूप में काम करती हैं। 7 नवंबर को तड़के सुबह 3:30 बजे उनके परिवार के सदस्यों ने खेंच की विमारी के कारण उन्हें साथन जीवन रक्षा



अस्पताल में भर्ती कराया। उन्हें 10 नवंबर को सूरत के शेल्वी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डायग्नोस्टिक एमआरआई से गुजरने के बाद ब्रेन स्टेम का निदान किया गया। आगे के इलाज के लिए, परिवार ने उन्हें बीएपीएस प्रमुखस्वामी अस्पताल में न्यूरोसर्जन डॉ. हरिन मोदी से इलाज के लिए भर्ती कर लिया गया और इलाज शुरू हो गया। 15 नवंबर को न्यूरोसर्जन डॉ. हरिन मोदी ने रेखाबेन को ब्रेन डे� घोषित कर दिया।

न्यूरोसर्जन डॉ. हरिन मोदी और सूरत डिस्ट्रिक्ट महावंशी बेलफेयर एंड एजुकेशन सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. नवीनचंद्र कंथारिया ने डोनेट लाइफ के संस्थापक नीलेश मांडलेवाला से फोन पर संपर्क किया और ब्रेनडे� रेखाबेन के परिवार की अंगदान की इच्छा के बारे में बताया। डोनेट लाइफ टीम अस्पताल पहुंची और रेखाबेन के पति किशोरभाई, बेटा

जेविन, बेटी जितिका और परिवार के अन्य सदस्यों को अंग दान के महत्व और इसकी पूरी प्रक्रिया के बारे में समझाया। रेखाबेन के पति किशोरभाई, जो कीम पुलिस स्टेशन में ग्राम रक्षक बल में काम करते हैं, ने कहा कि जब डॉक्टरों ने मेरी पत्नी रेखा को ब्रेन डे� घोषित कर दिया, तो मैंने अस्पताल में अंग दान का पोस्टर देखा और हमने सोचा कि मृत्यु के बाद शब्द का अंतिम संस्कार किया जाएगा। मेरी पत्नी के अंगों के दान से अंग विफलता रोगियों को नया जीवन मिल जाए, इससे बेहतर कोई काम नहीं हो सकता। परिवार से अंगदान की सहमति मिलने के बाद एसओटीटीओ से संपर्क किया गया। एसओटीटीओ द्वारा फेफड़े सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद को आवंटित किए गए थे, लिवर और किंडनी आईकेडीआरसी, अहमदाबाद को आवंटित किए गए थे। जबकि चक्षु लोकटृष्णि चक्षुबैंक ने स्वीकार किया।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे� के बाद किंडनी, लिवर, हृत्यानां..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

‘ઓનેટ લાઈફ’નો વધુ એક સફળ પ્રયાસ: કીમના બ્રેઇનડેડ મહિલાના ફિલ્મસા, લીવર, કીડનીનું દાન

મિમ ખાતે દીરાવમા સોલાપટી વિલાગ-નમાં રહેતા રેના ડિસ્પોર જાળા (ઉ.૧૭૯) વિસ્કોટાઈ કેટર્ડીલ્સ પેડિન્ગનું એપ્પ કરી પરિયારણે મદદગુપ થાતી હતી. રેનાબનન જત છ

સાબરકાંઠાના ધાનસુરાની મહિલા, અમદાવાદના યુવાન સહિત ચારને
નવજીવન મળ્યું: સદગતને બેંચ આવતા બ્રેઇનડેડ જાહેર કરાયા હતા

**કેફસાંગું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સાબરકાંઠાની 37 વર્ષીય મહિલામાં અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું
માહ્યાવંશી સમાજની બ્રેનડેડ મહિલાનાં અંગદાનથી 6ને નવજીવન**

कैल्य विशेषज्ञ | सुरेत

કીમની રેવાયતી અને માલાવંશી
સમાજની જેણેડ મહિલાના
કેદાના, લિવર, કિડની અને
ચુંબાનું દાન કરી પરિવારે ૬
વ્યક્તિઓને નાયકુન આપ્યું છે.
મહિલાના કેદાનું દ્વારાખાનાં
સાખરકાઠની મહિલામાં કરવામાં
આવ્યું છે. લિવરનું દ્વારાખાનાં
અમદાવાદના ૫૩ વર્ષથી યુદ્ધમાં
કરાયું છે તેમજ બને કિડની નું
દ્વારાખાનાં બે જરૂરિયાતમંડિ
કાંઈઓમાં અમદાવાદની
આઈક્રીઅરસી હોસ્પિટમાં
કરવામાં આવી રહ્યું છે.



માત્રાવંશી સુભાજુની ખેનડેડ મહિલાએ હને નવજીવન આપ્યુ છે.

કીમ, વીરાપના સાંસાધટી
ખાતો રહેતા અને કીમમાં આવેલી
બિસ્કિટની કેકટ્રીમાં પેડિગ નું
ક્રામ કરતા 47 વર્ષાં હેઠાલેન
કિશોરભાઈ રાજાને ગઈ તા. 7

नवेंबर ना रोक मास्टे भेद
आवाहा परिवारजनोंने सायफ़ी
क्राप्ता रक्षा लोस्पीटमध्ये दाखला
कर्या लाता. कृप्या सरावार आपला
आठ वधु सारावार मार्ट ता. 10
नवेंबरना रोक नुसतनी शेळ्ही
लोस्पीटमध्ये दाखल कर्या लाता. कृप्या
निधान मार्ट MRI क्राप्ता थेट्टन
स्टेक वोचानु निधान क्वांटुं तंयी

वधु सारावार मार्ट परिवारजनोंने
तेपेन BAPS लोस्पीटमध्ये दाखल
कर्यावाला. निधान मार्ट CT स्कैन
क्राप्ता थेट्टन लेमरेजना. क्लिनिक
मजलमध्ये लोकीनी गंध ताम्हा गवाह
होयानु निधान वधु लाता. ता. 14
नवेंबर ना रोक क्लिनिकमध्ये कर्या
मजलमध्ये अमेला लोकीना गंध हुक्का
इत्यामां आग्यो झाली.

લિપરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ 43 વર્ષીય યુવકમાં કરાયું

ଫଳମୁଁ ମେଣିଙ୍ଗ୍ ପାମ୍ ଆଯେକା କେନ୍ଦ୍ରଜୀବନ ଟ୍ରୋନ୍‌ସାଲାଟ ଶାଖାରୁକ୍ତିନା 37 ଧର୍ମିୟ ମହିଳାମୁଁ ଅମ୍ବାଦାରାନ୍ତିରୁ ରେଖ୍ସ ଲାଇସିଟିଟାମ୍ କେବଳମୁଁ ଆବ୍ୟୁ, ବିଷର୍ଣ୍ଣ ଟ୍ରୋନ୍‌ସାଲାଟ ଅମ୍ବାଦାରାନ୍ତି 43 ଧର୍ମିୟ ଯୁକ୍ତକାମ୍ ଅମ୍ବାଦାରାନ୍ତି IKDRCମ୍ କେବଳମୁଁ ଆବ୍ୟୁ ଜ୍ଯାମିତ ବେଳେ କିମ୍ବା ନୁ ଟ୍ରୋନ୍‌ସାଲାଟ ବେ ଜୁର୍ଦ୍ଦିପାତମେହ କର୍ତ୍ତାମାନେ ଅମ୍ବାଦାରାନ୍ତି IKDRC କୁହିମା ଆବ୍ୟୁ କରିଛନ୍ତି ।

15 नवम्बर 2 ना रोज़ रेखाखेन ने तपीखें थे किंतु उनके लिये दूरी होता, जूरोसर्कन थे, इरीन मोट्टा अने सुरेत कला भावावंशी वेक्टर एन्ड अक्सेसन सोसायटीना स्थापक प्रमुख थे, नवीनवंद ठाकुरीया ए इनेट लाईनो संपर्क द्वी रेखाखेनना थे किंतु अंगेनी तेमक परिवारनी अंगदाननी ठिक्का के तेम कामावायू धार्त, ग्रेनेट लाईफ्फी टीमे लोस्टिल पलोवी रेखाखेनना पहि उशोरापाई, पूर्व लिपिन, पूर्वी अतिशा तेमक परिवारना अन्य भव्योने अंगदाननु महात्म अने तेनी समझ प्रक्षिया समझायी, रेखाखेन ना परिवारकने तरक्की अंगदाननी संभाली मणता SOTTO-नो संपर्क उत्पाद आय्ये, SOTTO द्वाय केक्सा अमदावाहनी सीध्य लोस्टिलने, लिपर अने किनी अमदावाहनी IKDRC-ने छालपावाम आय्या, केक्सा-नु दान अमदावाहनी सीध्य लोस्टिलनी टीमे, लिपर अने किनी-नु दान अमदावाहनी IKDRC-नो टीमे स्वीकारू, ज्यादे वक्तव्योनु दान लोक्सिट वक्तव्योनक द्वी कार्पु धार्त.

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

સુરતથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ફેફસાના દાનની એકવીસમી ઘટના

ક્રીમની ફેક્ટરીમાં કામ કરતાં રેખાબેનનાં ફેફસા, લિવર, કિડની અને ચક્કુઓનું દાન: દ્વારા વ્યક્તિગત અને નવજીવન



સુરત, તા. ૧૮

ત્રીમ ખાતે લીરાપત્રા સોસાયટીમાં રહેતા અને ક્રીમમાં જ આવેલી બિસ્કીટની ફેક્ટરીમાં પેડિગ્રેનું કાર્ય કરતા હતું. વર્ષીય રેખાબેનને ખેદ આવતા પરિવારજનનોએ તેમને જ્ઞાપન કર્યા રહ્યા હતું. સારવાર આપ્યા ભાડ વધુ સારવાર માટે તા. ૧૦ નવેમ્બરના રોજ સુરતની શેલ્ફ લોસ્ટિલ્બમાં દાખલ કર્યા હતું. જ્યાં બેસિનસ્ટ્રોક હોલ્યાનું નિદાન વધુ હતું. વધુ સારવાર માટે પરિવારજનનોએ તેમને BAPS પ્રમુખ સ્વામી હોસ્પિટલમાં દાખલ કરી સારવાર રોજ કરવામાં આવી હતી. ૧૫ નવેમ્બરના રોજ તથીબોએ રેખાબેનને બેસિનસ્ટ્રોક લાંબે રૂપી હતું.

ન્યૂરોસ્પાન્થ ડૉ. હરીન માર્કોનેને સુરત કલલા માત્રાવંશી વેલ્કેર એન્ડ એજ્યુકેશન સોસાયટીના સ્થાપક પ્રમુખ ડૉ. નવીનચેદ કલારીયા એ ગ્રેનેટ વાઈકના સ્થાપક નિયેશ મંડલેવાલાનો ટેલીકોનીક સંપર્ક કરી રેખાબેનના બેસિનસ્ટ્રોક એનેની તેમજ પરિવારની અંગદાનની હથળ છે તેમ જ્યાાવતાં પ્રેનેટલાઈની ટીમે રેખાબેનના પતિ કિશોરભાઈ તેમજ પરિવારના અન્ય સભ્યોને અંગદાનનું મહત્વ અને તેમી સમજ પ્રક્રિયા સમજાવી હતી.

ત્રીમ પોલીસ સ્ટેશનમાં ગ્રામ્ય રસ્ક દિયાં કરણ બજ્જેવતા રેખાબેનના પતિ કિશોરભાઈ અને પરિવારે અંગદાન માટે સંમતિ આપી હતી.

પરિવારજનનો તરકારી અંગદાનની સંમતિ મળતા SOTTOનો સંપર્ક કરવામાં આવ્યો. SOTTO દ્વારા

ફેફસાની અમદાવાદની સીમ્સ લોસ્ટિલ્બને, લિવર અને

કિડની અમદાવાદની IKDRCને કાળવામાં આવ્યા.

ફેફસાનું દાન અમદાવાદની સીમ્સ લોસ્ટિલ્બનાં ડૉ. જનાનેસ પાટેરે, ડૉ. નિર્દ્ધાર વ્યાસ, ડૉ. લખિત બાવીશી, ડૉ. ઉલાસ પદીપાંડ, સુનીલ અગ્રવાલ અને

તેમની ટીમે, લિવર અને કિડનીનું દાન અમદાવાદની

IKDRCના ડૉ. સુરેશકુમાર અને તેમની ટીમે સ્વીકાર્ય,

જ્યારે ચક્કુઓનું દાન લોકડસ્ટી ચક્કુબેંકના ડૉ. પ્રકૃત રિશોપાને સ્વીકાર્ય.

દાનમાં મેળવવામાં આવેલા

કિડની ટ્રાન્સપલાન્ટ ધનસુરા, સાબરકાઠાની રહેવાસી, ઊ.વ. ૩૦ વર્ષીય મહિલામાં અમદાવાદની

સીમ્સ લોસ્ટિલ્બમાં ડૉ. પીરેન શાહ, ડૉ. પદ્મ

નાયક, ડૉ. કિશોર જુમા, ડૉ. અમિત ચેહન, ડૉ. નિરેન બાવસાર અને તેમની ટીમ દ્વારા કરવામાં આવ્યું.

દાનમાં મેળવવામાં આવેલા લિવરનું ટ્રાન્સપલાન્ટ

અમદાવાદના રહેવાસી ઊ.વ. ૩૦ વર્ષીય વ્યક્તિમાં અમદાવાદની IKDRCમાં ડૉ. પ્રાણક મોટી, ડૉ. વૈભવ

સુતરીયા અને તેમની ટીમ દ્વારા કરવામાં આવ્યું. જ્યારે

અને કિડની નું ટ્રાન્સપલાન્ટ બે જરૂરિયાતમંદ દર્દીઓમાં

અમદાવાદની IKDRCમાં કરવામાં આવી રહ્યું છે.

કિડની સમયસર હવાઈ માર્ગે અમદાવાદ

પાટોયાડા માટે BAPS પ્રમુખસ્વામી લોસ્ટિલ્બમાં

સુરત એરપોર્ટ સુધીના માર્ગનો જીન ક્લોરીફેર

સુરત રોડ પાલીસ દ્વારા અનાવવામાં આવ્યો હતો.

સુરતની ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ફેફસાના દાન કરાવવાની

એકવીસમી ઘટના છે.

" જીતે જી રહ્યાના, બ્રેનડેડ કે વાટ, કિડની, લિવર, હટયાટાન... "



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

ખેંચ આવતા કીમની બ્રેઇનડેડ મહિલાના અંગદાનથી ૬ દદ્દીને નવ જીવન મળ્યું

રેખાબેનના ફેફસા,
લિવર, કિડની અને
ચક્કુઓનું દાન કરી છ
વ્યક્તિઓને નવજીવન
બદ્ધી

સુરત: ખેંચ આવતા કીમની બ્રેઇનડેડ મહિલાના અંગદાનથી ૬ દદ્દીને નવજીવન મળ્યું હતું. રેખાબેનના ફેફસા, લિવર, કિડની અને ચક્કુઓનું દાન કરી છ વ્યક્તિઓને નવજીવન આપવામાં આવ્યું હતું.

ડોનેટ લાઈફના નિલેશ માંડલેવાલાએ જણાવ્યું હતું કે કીમ વિસ્તારમાં આવેલ હીરાપના સોસાયટી વિભાગ-૧માં રેખાબેન કિશોરભાઈ રાણા (ઉ.વ 47) પરિવાર સાથે રહેતી હતી. બિસ્કીટની ફેકટરીમાં પેકિંગનું કાર્ય કરતા રેખાબેનને ૭ નવેમ્બરના રોજ બપોરે ખેંચ આવતા પરિવારજનોએ તેમને સારવાર માટે સાયણી જીવન રક્ષા હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યા હતા.



ત્યાં સારવાર
આખ્યા બાદ વધુ
સારવાર માટે ૧૦
નવેમ્બરના રોજ
સુરતની શેલ્બી
હોસ્પિટલમાં

દાખલ કરવામાં આવ્યાં હતાં. નિદાન માટે MRI કરાવતા બ્રેઇન સ્ટ્રોક હોવાનું તેમજ મગજમાં લોહીનો ગાડો જામી ગયો હોવાનું નિદાન થયું હતું. ત્યારબાદ તેમની સારવાર શરૂ કરવામાં આવ્યા બાદ તેમને બ્રેઇનડેડ જાહેર કરવામાં આવ્યા હતાં. તેમને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવ્યા બાદ પરિવારજનો તેના માટે તૈયાર થયા હતાં. SOTTO દ્વારા ફેફસાં અમદાવાદની સીમ્સ હોસ્પિટલને, લિવર અને કિડની અમદાવાદની IKDRCને ફાળવવામાં આવ્યા હતા. ચક્કુઓનું દાન લોકડ્રસ્ટી ચક્કુબેન્કના ડૉ. પ્રફુલ શિરોયાએ સ્વીકાર્યું હતું. રેખાબેનના પતિ કિશોરભાઈ જેઓ કીમ પોલીસ સ્ટેશનમાં ગ્રામ્ય રક્ષક દણમાં ફરજ બજાવે છે.

" જીતે જી રહ્યાના, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હલ્યાટાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

માત્રાવંશી સમાજની મહિલાના અંગદાનથી છ વ્યક્તિને નવજીવન

(પ્રતિનિધિ દ્વારા)

સુરત શુક્રવાર

કીમ રહેતા માત્રાવંશી સમાજના મહિલાના ફેફસા, લિવર, કિડની અને ચક્ષુઓનું દાન કરી છ વ્યક્તિને નવજીવન બક્ષી માનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી છે.

કીમના રેખાબેન રાણાના ફેફસા, લિવર, કિડની અને ચક્ષુઓનું દાન : ફેફસાનું સાબસકાંઠાની મહિલામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

કીમની હીરાપણા સોસાયટી વિભાગ-૧માં રહેતા અને કીમમાં બિસ્કીટની ફેક્ટરીમાં પેટિંગનું કામ કરતા ૪૭ વર્ષના રેખાબેન કિશોરભાઈ રાણાને તા. ૭૮૮૦૦૫૮૫૮૫૮ બેંચ આવતા સાયણાની હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા. ત્યાંથી ૧૫૦ વધુ સારવાર માટે તા. ૧૦ના રોજ સુરતની ખાનગી હોસ્પિટલ દાખલ કર્યા હતા. જ્યાં તેમનું એમ.આર.આઈ કરાવતા બ્રેઇન સ્ટોક આવ્યો હોવાનું નિદાન થયું હતુ. બાદમાં ૧૫૦ વધુ સારવાર માટે અન્ય હોસ્પિટલમાં લઈ ગયા હતા. જ્યાં સીટી સેન કરાવતા બ્રેઇન હેમરેજ હોવાને લીધે મગજમાં લોહીનો ગઢો જામી ગયો હોવાનું નિદાન થયું હતુ. જ્યાં તા. ૧૪ના રોજ મગજમાં જામેલો લોહીનો ગઢો દુર કર્યો હતો. દરમિયાન તા. ૧૫ના રોજ ડૉક્ટરોની ટીમે તેમને બ્રેઇનડેડ જાહેર કર્યા હતા. આ અંગે જાણ થતા ડેનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી રેખાબેનના પરિવારના

સત્યોને અંગદાનનું મહત્વ સમજીવતા સંમાતિ આપી હતી. જેથી ફેફસાં અમદાવાદની હોસ્પિટલને, લિવર અને કિડની દાન અમદાવાદની હોસ્પિટલના ડૉક્ટરો ટીમ આવીને સ્વીકાર્યું હતું. જ્યારે ચક્ષુઓનું દાન લોક દ્વારે ચક્ષુબેન્કાંડે સ્વીકાર્યું હતુ. દાનમાં મળેલા ફેફસા બનાસકાંઠામાં ધનસુરામાં રહેતી ૩૭ વર્ષની મહિલામાં અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં, લિવરનું અમદાવાદના રહેતા ૪૩ વર્ષના વ્યક્તિમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતુ. બંને કિડનીનું બે જરૂરિયાતમંદ દર્દીમાં અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવી રહ્યું છે. રેખાબેનના પતિ કિશોરભાઈ (૩.૧.૫૨) કીમ પોલીસ સ્ટેશનમાં ગ્રામ્ય રક્ષક દળમાં ફરજ બજાવે છે, પુત્ર જેવિન (૩.૧.૨૫) કીમમાં ઈન્ડસ્ટ્રીજમાં ઈલેક્ટ્રિશયન તરીકે ફરજ બજાવે છે અને પુત્રી જાતિકા (૩.૧.૨૨) છે.

" જીતે જી રત્નાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હલ્યાનાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

● DONATE LIFE ●

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

DATE: JANUARY, 2006 TO 16TH NOVEMBER, 2023



488

KIDNEY



210

LIVER



49

HEART



42

LUNGS



08

PANCREAS



01

INTESTINE



383

CORNEA



04

HANDS

Total **1185** Organs & Tissues donated,
which has given New Life & Vision to **1088** persons
across Country & Globe.

" जीते जी रक्तान, ब्रेनडे के बाद किडनी, तिवर, हृदयान..."